|| श्री लक्ष्मी माता की आरती ||

|| ॐ श्री गणेशाय नमः ||

ॐ जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता |
तुमको निशदिन सेवत, हरि विष्णु धाता ||
ॐ जय लक्ष्मी माता ||

उमा, रमा, ब्रह्माणी, तुम ही जग-माता |
सूर्य-चंद्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता ||
ॐ जय लक्ष्मी माता ||

दुर्गा रुप निरंजनी, सुख-सम्पत्ति दाता |
जो कोई तुमको ध्यावत, ऋद्धि-सिद्धि धन पाता ||
ॐ जय लक्ष्मी माता ||

तुम पाताल-निवासिनि, तुम ही शुभ दाता |
कर्म-प्रभाव-प्रकाशिनी, भवनिधि की त्राता ||
ॐ जय लक्ष्मी माता ||

जिस घर में तुम रहतीं, तहाँ सब सद्गुण आता |
सब सम्भव हो जाता, मन नहीं घबराता ||
ॐ जय लक्ष्मी माता ||

तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न हो पाता |
खान-पान का वैभव, सब तुमसे आता ||
ॐ जय लक्ष्मी माता ||

शुभ-गुण-मंदिर सुंदर, क्षीरोदधि-जाता |
रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता ||
ॐ जय लक्ष्मी माता ||

महालक्ष्मीजी की आरती, जो कोई जन गाता |
उर आनन्द समाता, पाप उतर जाता ||
ॐ जय लक्ष्मी माता ||

ॐ जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता |
तुमको निशदिन सेवत, हरि विष्णु धाता ||
ॐ जय लक्ष्मी माता ||

www.hanumanchalisalyric.com